नवभारत
भोपाल, शनिवार 4 अप्रैल, 2026

पूर्व शासकीय वकील और पत्नि की संदिग्ध मौत से सनसनी

फंदे पर लटका मिला अधिवक्ता पति का शव, बिस्तर पर मृत मिली रिटायर्ड शिक्षिका पत्नी

नवभारत न्यूज

गुना 3 अप्रैल का। शहर की पॉश सोनी कॉलोनी उस वक्त सन्न रह गई, जब शुक्रवार की सुबह एक दो मंजिला मकान के बंद कमरों के भीतर से बुजुर्ग दंपती के शव मिलने की खबर फैली। घर की दहलीज पर खुशियों की उम्मीदें दम तोड़ चुकी थीं। 75 वर्षीय वरिष्ठ अधिवक्ता दिलीप कुमार गोयल फंदे पर लटके मिले, वहीं उनकी पत्नी और रिटायर्ड शिक्षिका किरण गोयल का निष्प्राण शरीर पलंग पर पड़ा था। यह महज एक मौत की खबर नहीं, बल्कि एक हँसते-खेलते परिवार के बिखरने की वह दास्तान है जिसने हर किसी की आँखों में नमी भर दी है।

इस पूरी घटना में सबसे मर्मस्पर्शी पहलू वह आखिरी बातचीत है, जो दिलीप कुमार गोयल ने गुरुवार शाम अपने नाती पंकज से की थी। पंकज ने रुंधे गले से बताया कि दादाजी ने फोन कर बच्चों से मिलने की इच्छा जताई थी। उन्होंने कहा था, 'अभी बारिश जैसा मौसम है, अभी मत आना। हमने खाना खा लिया है, कल सुबह तुम्हारे यहाँ आऊँगा, मेरे लिए दाल-टिक्कड़ बना लेना।' पंकज शुक्रवार सुबह 10 बजे अपने दादाजी की पसंद का खाना बना ही रहा था कि अचानक पड़ोसियों का फोन आया और खुशियों की जगह मातम ने ले ली। जिस नाती के हाथ का खाना खाने का वादा उन्होंने किया था, उसे अब अपने दादा-दादी की लाशों के पास खड़ा होना पड़ा।

बीमारी का दर्द और खामोश मंजर

पुलिस की प्राथमिक जांच में सामने आया है कि किरण गोयल लंबे समय से मानसिक रूप से अस्वस्थ थीं। उनका इंदौर सहित कई शहरों में इलाज चल रहा था। उनकी स्थिति इतनी गंभीर थी कि कभी-कभी वह अपने ही बच्चों को पहचान नहीं पाती थीं। आशंका जताई जा रही है कि पत्नी की बीमारी और बढ़ती उम्र की मजबूरियों ने शायद इस बुजुर्ग दंपती को टूटकर बिखरने पर मजबूर कर दिया होगा। घटनास्थल पर पुलिस को किरण के शव के पास फिनाइल की बोतल मिली है, वहीं दूसरे कमरे में एक और रस्सी भी बरामद हुई है। रसोई में धुले हुए बर्तन इस बात की गवाही दे रहे थे कि रात में दोनों ने साथ बैठकर खाना खाया था, लेकिन किसी को अंदाजा नहीं था कि यह उनकी आखिरी रात होगी।

सामान्य व्यवहार के पीछे छिपा था तूफान

पड़ोस में रहने वाले पवन कुमार ने बताया कि गुरुवार शाम करीब 4 बजे दिलीप कुमार गोयल अपने एक संबंधी से मिलने गए थे, तब वे बिल्कुल सामान्य दिख रहे थे। शाम 6 बजे उन्होंने अपने नाती से बात की और 7 बजे वे आखिरी बार घर के बाहर देखे गए थे। उनके चेहरे की सामान्य दिखती शिकन के पीछे इतना बड़ा आत्मघाती कदम उठाने का तूफान छिपा होगा, इसका अंदाजा किसी को नहीं था। गुना पुलिस फिलहाल मामले की गहराई से जांच कर रही है। फॉरेंसिक टीम और पुलिस अधिकारियों ने साक्ष्य जुटाए हैं। इस घटना ने एक बार फिर बुजुर्गों की मानसिक स्थिति और समाज में बढ़ते अकेलेपन के सवाल को खड़ा कर दिया है। सोनी कॉलोनी की गलियों में आज सन्नाटा है, और हवाओं में सिर्फ उस 'दाल-टिक्कड़' की अधूरी दावत का दर्द घुला हुआ है।

सूना पड़ा दो मंजिला मकान

गोयल दंपती का बेटा मयंक, जो चंदेरी कोर्ट में अऊढड के पद पर पदस्थ है, गुरुवार को अपने परिवार के साथ राजगढ़ गया हुआ था। वह अक्सर काम के सिलसिले में अप-डाउन करता था। शुक्रवार सुबह जब उसने पिता को कई फोन किए और कोई जवाब नहीं मिला, तो अनहोनी की आशंका में उसने पड़ोसियों को घर जाकर देखने को कहा। पड़ोसियों ने जब घर के भीतर प्रवेश किया, तो वहाँ का दृश्य रूह कंपा देने वाला था।

गुना जिला अस्पताल में 'ग्लूकोज ड्रामा', पेड़ को बनाया स्टैंड और दोस्त बना डॉक्टर

गुना। जिला अस्पताल परिसर में शुक्रवार को एक बेहद अजीबो-गरीब वाकया सामने आया, जिसे देखकर वहां मौजूद मरीज और परिजन दंग रह गए। दोपहर करीब 1 बजे दो युवकों ने अस्पताल परिसर में 'ग्लूकोज ड्रामा' शुरू कर दिया, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

दरअसल, शुक्रवार 3 को दो युवक जिला अस्पताल पहुँचे थे। उनमें से एक ने तबीयत खराब होने और उल्टी की शिकायत करते हुए हाथ में ग्लूकोज की बोतल लगवाई। बोतल लगते ही वह युवक अस्पताल के अंदर रुकने के बजाय हाथ में बोतल लेकर परिसर के बाहर आ गया। इसके बाद जो नजारा दिखा वह हैरान करने वाला था; युवक ने पास ही लगे एक पेड़ को ग्लूकोज स्टैंड बना लिया और उस पर बोतल लटका दी। इस दौरान उसका दूसरा साथी 'डॉक्टर' बनकर उसका इलाज करने का स्वांग रचता नजर आया। अस्पताल परिसर में सरेआम चल रहे इस ड्रामे को देखकर राहगीरों ने इसका वीडियो बना लिया। सूत्रों के मुताबिक, दोनों युवक आपस में दोस्त हैं और घटना के समय नशे की हालत में बताए गए हैं। नशे के सुरूर में ही उन्होंने अस्पताल परिसर के बाहर इस पूरी हरकत को अंजाम दिया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग सरकारी अस्पताल की सुरक्षा व व्यवस्थाओं पर भी सवाल उठा रहे हैं कि आखिर कैसे एक मरीज बोतल लेकर बाहर निकल गया और घंटों यह तमाशा चलता रहा।

एक नजर में

केदारनाथ धाम और चाकरी-छिकारी प्लांटेशन की समीक्षा संपन्न

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में केदारनाथ धाम की समस्याओं के निराकरण और चाकरी-छिकारी क्षेत्र में वृक्षारोपण सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों को लेकर एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए वैज्ञानिक पद्धति से समाधान खोजने और युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने पर विशेष चर्चा की गई।

बैठक के दौरान केदारनाथ धाम से जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा करते हुए कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि समस्याओं का स्थायी निराकरण केवल वैज्ञानिक पद्धति से ही संभव है। इसके लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित की जाएगी जो वैज्ञानिक आधार पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगी। इस रिपोर्ट में जो सबसे बेहतर और टिकाऊ विकल्प सामने आएगा, उसी के अनुसार भविष्य की कार्ययोजना बनाई जाएगी। चाकरी-छिकारी क्षेत्र में वन विभाग द्वारा किए जा रहे वृक्षारोपण कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने स्थानीय नागरिकों से सहयोग की अपील की। उन्होंने सख्त लहजे में चेतावनी दी कि वर्तमान में तकनीक इतनी उन्नत हो चुकी है कि सैटेलाइट के माध्यम से भी पेड़ों की कटाई और अवैध गतिविधियों की निगरानी संभव है। उन्होंने आपसी विवादों को छोड़कर शांति और सहयोग की भावना से पर्यावरण संरक्षण में भागीदार बनने की सलाह दी।

साथ ही स्पष्ट किया कि वृक्षारोपण कार्य में बाधा डालने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

भ्रष्टाचार पर कार्यवाही : दो ब्लॉक समन्वयकों की सेवा समाप्त

गुना। महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत आउटसोर्स पर कार्यरत दो ब्लॉक समन्वयकों के विरुद्ध गंभीर शिकायतों और विभागीय लापरवाही के चलते सेवा समाप्ति की कड़ी कार्यवाही की गई है। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देश पर हुई इस कार्यवाही ने शासकीय कार्यों में पारदर्शिता और ईमानदारी के प्रति प्रशासन के सख्त रुख को स्पष्ट कर दिया है। पहली कार्यवाही बमोरी परियोजना में पदस्थ ब्लॉक समन्वयक राजेंद्र राय के विरुद्ध की गई है। उन पर आरोप था कि वे नवनियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं से 'पोषण ट्रैकर' ऐप में ई-केवाईसी करने के बदले 200-200 रुपए की अवैध राशि की मांग कर रहे थे। शिकायत मिलते ही कलेक्टर ने मामले को संज्ञान में लिया और जिला कार्यक्रम अधिकारी अब्दुल गफ्फार को तत्काल जांच के निर्देश दिए। जांच दल समिति ने कार्यकताओं के लिखित बयानों और प्राप्त तथ्यों के आधार पर आरोपों को सही पाया। समिति की अनुशंसा पर राजेंद्र राय की सेवा समाप्त करने हेतु संबंधित एजेंसी 'टी एंड एम सर्विसेज कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड' मुंबई को पत्र भेजा गया, एजेंसी ने कदाचार के आधार पर उन्हें तत्काल प्रभाव से पद से हटा दिया है।

कार्य में लापरवाही और अनुशासनहीनता पर गिरी गाज

दूसरी कार्यवाही चाचौड़ा परियोजना में कार्यरत ब्लॉक समन्वयक रामजीवन मीणा के विरुद्ध की गई है। उन पर कार्यालय से लगातार अनुपस्थित रहने, सौंपे गए उत्तरदायित्वों का निर्वहन न करने और वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना करने के गंभीर आरोप थे। विभागीय कार्यों के प्रति जिम्मेदारी न दिखाने और बार-बार हिदायत के बाद भी कार्यशैली में सुधार न होने के कारण आउटसोर्स एजेंसी ने रामजीवन मीणा की भी सेवाएं समाप्त कर दी हैं। जिला प्रशासन की इस त्वरित कार्यवाही से विभाग में हड़कंप मच गया है।

अधिकारियों ने स्पष्ट संदेश दिया है कि शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी पाए जाने वाले कर्मचारियों पर भविष्य में भी इसी तरह की कठोर कार्यवाही जारी रहेगी।

जिले में राजस्व संग्रहण में विभागों ने गाड़े सफलता के झंडे

गुना। वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर गुना जिले के विभिन्न महत्वपूर्ण विभागों ने राजस्व संग्रहण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए निर्धारित वार्षिक लक्ष्यों को न केवल प्राप्त किया है, बल्कि उनसे कहीं अधिक उपलब्धि हासिल कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विशेष रूप से राजस्व, पंजीयन, खनिज, कमर्शियल टैक्स और आबकारी विभाग ने शत-प्रतिशत से अधिक वसूली कर जिले के खजाने को मजबूती प्रदान की है। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने इस उल्लेखनीय सफलता पर गहरा संतोष और प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि जब विभाग अपनी कार्यक्षमता का पूरा उपयोग करते हुए लक्ष्यों को पार करते हैं,

तो यह न केवल विभाग की प्रशासनिक दक्षता को दशार्ता है, बल्कि पूरे जिले के विकास कार्यों को भी गति देता है। उन्होंने इस उपलब्धि को जिले के समग्र आर्थिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी बताया। इस रिकॉर्ड प्रदर्शन के लिए कलेक्टर ने संबंधित विभागों के प्रमुखों और उनकी टीमों की सराहना की है। उन्होंने सभी अधिकारियों को भविष्य में भी इसी प्रकार की 'लक्ष्य आधारित कार्यप्रणाली' अपनाते हुए निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखने के लिए निर्देशित किया। प्रशासनिक स्तर पर इस सफलता को बेहतर मॉनिटरिंग और मैदानी अमले की सक्रियता का परिणाम माना जा रहा है। राजस्व और कर संग्रहण में आई इस मजबूती से जिले के अधोसंरचनात्मक और जनहितकारी कार्यों को और अधिक विस्तार मिल सकेगा।

कूनो के कायाकल्प की तैयारी किया उद्गम स्थल का निरीक्षण

गुना। जिले की जीवनदायिनी नदियों के संरक्षण और जल संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सीईओ जिला पंचायत अभिषेक दुबे ने गुना ब्लॉक के अंतर्गत कूनो नदी के उद्गम स्थल का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नदी के जीर्णोद्धार और जल संग्रहण क्षमता बढ़ाने के लिए आवश्यक तकनीकी निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अभिषेक दुबे ने कूनो नदी के उद्गम स्थल पर स्थित पुराने कूप (कुएं) के संधारण और गहरीकरण के कार्य प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कूप को नवीन स्वरूप प्रदान किया जाए और वहां से प्रवाहित होने वाले जल को सुचारू रूप से नदी तक पहुँचाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही, उद्गम स्थल की धार्मिक और सांस्कृतिक महत्ता को देखते हुए वहां मौजूद चबूतरे पर रखी मूर्तियों को व्यवस्थित करने तथा मुख्य पहुँच मार्ग के दोनों ओर सघन पौधरोपण करने के निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर प्रभारी सीईओ जनपद पंचायत गुना पुष्पेंद्र व्यास, सहायक यंत्री, उपयंत्री सहित संबंधित ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव और ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

टेकरी मंदिर के बाहर झूला संचालकों पर चिकन बिरयानी खाने का आरोप

गुना। प्रसिद्ध धार्मिक स्थल हनुमान टेकरी मंदिर परिसर के बाहर मेला क्षेत्र में लगे झूलों के पास कुछ दुकानदारों द्वारा कथित तौर पर चिकन बिरयानी खाने का मामला सामने आया है। इस घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में भारी आक्रोश पनप गया और बजरंग दल के पदाधिकारियों ने मौके पर पहुँचकर विरोध दर्ज कराया।

जानकारी के मुताबिक, बजरंग दल को सूचना मिली थी कि झूला लगाने वाले कुछ दुकानदार सिद्ध स्थल के बाहर मैदान में बनी झोपड़ियों में मांसाहार का सेवन कर रहे हैं। मौके पर पहुँचे पदाधिकारियों ने इस घटना के वीडियो भी साझा किए हैं, जिनमें दुकानदारों द्वारा मांसाहार करने का दावा किया गया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कैंट पुलिस तत्काल मौके पर पहुँची और संबंधित लोगों को पूछताछ के लिए थाने ले गई। टेकरी ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने इस संबंध में बताया कि उन्हें पहले ही सूचना मिली थी कि कोई बाहर से बिरयानी लेकर आया है। ट्रस्ट द्वारा पहले ही सख्त हिदायत दी गई थी कि यह एक पवित्र धार्मिक स्थल है, यहाँ किसी भी प्रकार के मांसाहार का सेवन वर्जित है। ट्रस्ट ने स्पष्ट किया कि वे किसी को व्यापार करने से नहीं रोक रहे हैं, लेकिन यदि भविष्य में इस तरह की हरकत दोबारा हुई, तो संबंधित लोगों को यहाँ व्यापार करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। घटना के बाद आरोपी पक्ष ने अपनी गलती

स्वीकार करते हुए माफी मांगी है। इधर, बजरंग दल के पदाधिकारियों का कहना है कि उन्होंने दो दिन पहले ही मंदिर समिति के प्रवक्ता को इस बात से अवगत कराया था कि कुछ लोग संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त हैं और परिसर के पास मांस पकाकर खा रहे हैं। बजरंग दल ने प्रशासन से मांग की है कि पवित्र प्रांगण के बाहर मांसाहार करने वालों पर कड़ी कानूनी कार्यवाही करते हुए केस दर्ज किया जाए।

साथ ही, ऐसे दुकानदारों को आगामी वर्षों के लिए ब्लैकलिस्ट कर मेले में व्यापार करने से पूरी तरह प्रतिबंधित करने की मांग भी उठाई गई है।

स्कूल बिल्डिंग के ऊपर लगे मोबाइल में शॉर्ट सर्किट से आग

गुना। श्रीराम कॉलोनी में एक स्कूल की छत पर लगे बीएसएनएल के टॉवर में शॉर्ट सर्किट की वजह से भीषण आग लग गई। हालांकि नगरपालिका और स्थानीय लोगों ने संयुक्त प्रयास करते हुए आग पर काबू पा लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया है। जानकारी सामने आई है कि श्रीराम कॉलोनी में दुर्गा मंदिर के पास स्थित सीएस कॉन्वेंट स्कूल की छत पर करीब 15 सालों से बीएसएनएल का मोबाइल टॉवर लगा हुआ है। शुक्रवार दोपहर लगभग 12 बजे स्थानीय लोगों को टॉवर के आसपास धुआं नजर आया। इसके बाद मौके पर स्थानीय पार्षद और रहवासी जमा हो गए। तत्काल नगरपालिका को सूचना दी गई, जहां से कुछ ही देर में फायर ब्रिगेड और नगरपालिका के कर्मचारी मौके पर रवाना हो गए। नपा कर्मियों ने बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, जिसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली। आगजनी की सूचना मिलते ही बीएसएनएल के कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे, जिन्होंने दावा किया कि हाल ही में टॉवर का मेंटीनेंस किया गया था। उसकी बैट्री भी बदली गई थी।

बीएसएनएल प्रबंधन ने आगजनी की वजह शॉर्ट सर्किट बताई है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने टॉवर से होने वाले संभावित नुकसान को देखते हुए कई बार बीएनएसएल अधिकारियों से टॉवर हटाने की मांग की गई थी। बताया जा रहा है कि टॉवर लगाने के दौरान कई नियमों का उल्लंघन किया गया है। रिहायशी क्षेत्र में स्कूल के ऊपर मोबाइल टॉवर लगाने का श्रीराम कॉलोनी और आसपास रहने वाले लोग लंबे समय से विरोध कर रहे थे, जिसे बीएसएनएल और टॉवर लगाने वाली कंपनी ने नजर अंदाज कर दिया।

कायाकल्प वॉकिंग ट्रैक, किड्स जोन और बोटिंग की तैयारी, कलेक्टर ने किया निरीक्षण

गुना के भुजरिया तालाब का होगा कायाकल्प

नवभारत न्यूज

गुना। शहर के ऐतिहासिक और प्राकृतिक सौंदर्य के केंद्र भुजरिया तालाब को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की कवायद तेज हो गई है। शुक्रवार को कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने नगरीय प्रशासन, राजस्व विभाग और आर्किटेक्ट टीम के साथ तालाब परिसर का विस्तृत निरीक्षण किया और भविष्य की विकास योजनाओं को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान आर्किटेक्ट मनीष नामदेव ने प्रारंभिक मास्टर प्लान का खाका प्रस्तुत किया। इस प्रस्तावित योजना के तहत तालाब के चारों ओर एक आउटर रोड के साथ आधुनिक वॉकिंग ट्रैक विकसित किया जाएगा। नागरिकों के मनोरंजन के लिए परिसर में किड्स जोन, फन जोन और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए 'वोकल फॉर लोकल' मार्केट बनाने की योजना है। तालाब के आकर्षण को बढ़ाने के लिए इसके मध्य स्थित टापू को एक सुंदर सेल्फी पॉइंट के रूप में तैयार किया जाएगा, जिसके चारों ओर स्थायी जलभराव वाला डीप वॉटर जोन होगा। पर्यटकों के लिए यहाँ जल्द ही बोटिंग (नौकायन) की सुविधा भी शुरू करने का प्रस्ताव है। इस महत्वपूर्ण निरीक्षण के अवसर पर एसडीएम गुना शिवानी पांडेय, पीओ डूडा संजय श्रीवास्तव, तहसीलदार जी.एस. बैरवा सहित नगरीय प्रशासन और राजस्व विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

भुजरिया तालाब के इस सौंदर्यीकरण से न केवल शहर की सुंदरता बढ़ेगी, बल्कि स्थानीय लोगों को रोजगार और मनोरंजन के नए अवसर भी प्राप्त होंगे।

पार्किंग और व्यवस्थित मास्टर प्लान पर जोर

कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए कि पूरी परियोजना का व्यावहारिक प्लान तैयार किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से पार्किंग व्यवस्था को लेकर सख्त हिदायत दी कि यहाँ कम से कम 500 दोपहिया और चार पहिया वाहनों के लिए पर्याप्त जगह सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में आने वाले पर्यटकों को असुविधा न हो। इसके साथ ही राजस्व टीम को निर्देशित किया गया है कि प्रस्तावित क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली शासकीय और निजी भूमि का सटीक विवरण तैयार करें। इस डेटा के आधार पर एक प्रभावी मास्टर प्लान अंतिम रूप देकर शासन को स्वीकृति हेतु भेजा जाएगा।

प्रभु यीशु को मिली यातनाओं को स्मरण कर किया रक्तदान

गुना। गुना के कैथोलिक चर्च में शुक्रवार को गुड फ्राइडे के पावन मौके पर फादर डैनी जॉर्ज के नेतृत्व में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिला अस्पताल के ब्लड बैंक के विशेष सहयोग से आयोजित इस शिविर में समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर अपनी सहभागिता दर्ज कराई। शिविर के दौरान कुल 45 रक्तदाताओं ने मानवता की सेवा के लिए रक्तदान किया। इस अवसर पर कैथोलिक चर्च के सचिव जॉन इब्राहिम भी उपस्थित रहे, जो स्वयं अब तक 50 से अधिक बार रक्तदान कर समाज के लिए एक मिसाल पेश कर चुके हैं। बता दें कि गुड फ्राइडे पर्व प्रभु यीशु मसीह के बलिदान की स्मृति में मनाया जाता है। चर्च प्रबंधन के अनुसार, जिस तरह प्रभु यीशु ने मानवता के कल्याण के लिए कष्ट सहते हुए अपने प्राण त्यागे थे, उन्हीं की शिक्षाओं का अनुसरण करते हुए समाज द्वारा यह रक्तदान शिविर लगाया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रभु यीशु की पीड़ादायक मृत्यु का स्मरण किया गया और सभी ने मिलकर विश्व शांति के लिए प्रार्थना की। रक्तदाताओं ने कहा कि दूसरों के जीवन को बचाने के लिए किया गया यह दान ही प्रभु यीशु के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। इस दौरान अस्पताल की टीम और चर्च के गणमान्य सदस्य मौजूद रहे।